प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति,
   जनपद शाहजहॉपुर।

2. मुख्य चिकित्साधिकारी/सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति,
   जनपद शाहजहॉपुर ।

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20/ 8513-2 दिनांकः 10.01.2020

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा 26–28 दिसम्बर, 2019 तक किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2019-20/18/2867-2 दिनांक 01-07-2019 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक **26–28 दिसम्बर, 2019** तक जनपद **शाहजहॉपुर** की जनपद व ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों का सहयोगात्मक पवर्यवेक्षण किया गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद की चिकित्सा इकाईयों का स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेशित की जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीया

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेशित–

1. मण्डलायुक्त, बरेली मण्डल, गोरखपुर, उ0प्र0।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, बरेली मण्डल।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक/अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, बरेली मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेशित।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, शाहजहॉपुर को पर्यवेक्षण आख्या के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(विवेक दिवेद्वी)
महाप्रबन्धक प्रोक्योरमेंट/
मण्डलीय नोडल अधिकारी

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति,
   जनपद शाहजहॉपुर।

2. मुख्य चिकित्साधिकारी/सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति,
   जनपद शाहजहॉपुर ।

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20/ दिनांकः 10 .01.2020

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा 26–28 दिसम्बर, 2019 तक किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2019-20/18/2867-2 दिनांक 01-07-2019 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक **26–28 दिसम्बर, 2019** तक जनपद **शाहजहॉपुर** की जनपद व ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों का सहयोगात्मक पवर्यवेक्षण किया गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद की चिकित्सा इकाईयों का स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेश्ति की जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीया

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20/8573-2(5) तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेश्ति–

1. मण्डलायुक्त, बरेली मण्डल, गोरखपुर, उ0प्र0।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, बरेली मण्डल।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक/अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, बरेली मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेश्ति।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, शाहजहॉपुर को पर्यवेक्षण आख्या के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(विवेक दिवेद्वी)
महाप्रबन्धक प्रोक्योरमेंट/
मण्डलीय नोडल अधिकारी

जनपद स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण

जनपद : शाहजहॉपुर, **दिनांक : 26–28 दिसम्बर 2019**

जनपद **शाहजहॉपुर** की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की संक्षिप्त आख्या निम्नवत् है–

क्र	चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
1.	दिनांक 26.12.19 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लाक तिलहर	परिसर मे दीवार लेखन किया गया गया था। कार्यक्रम से सम्बन्धित जानकारियां दीवार लेखन के माध्यम से अंकित की गई थी। राष्ट्रीय कार्यक्रम आदि से सम्बन्धित जानकारियां प्रदर्शित नहीं थी।	राष्ट्रीय कार्यक्रम से सम्बन्धित जानकारियों हेतु दीवार लेखन कराने के लिए प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया।	
		ओ0पी0डी व अन्य कक्ष में कार्यक्रम सम्बन्धित पोस्टर व्यापक रूप से लगे हुए पाए गए।		प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / स्टाफ नर्स
		ओ0पी0डी0 में ही कण्डोम बाक्स लगाया गया था, किन्तु खाली था।	सम्बन्धित स्टाफ द्वारा कंडोम बाक्स भरवाया गया तथा सुझाव दिया गया कि जनमानस हेतु बाक्स नियमित भरा जाता रहे व उसकी स्टाक बुक में एन्ट्री भी हो।	
		लेबर स्टाफ कक्ष – • कक्ष की स्थिति चिन्ताजनक पाई गई। कक्ष में पर्याप्त प्रकाश भी नहीं था।		
		• ड्यूटी रजिस्टर उपलबध नहीं था।	• उपस्थित स्टाफ नर्स को प्रसव रजिस्टर में वाछित समस्त सूचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु सुझाव दिया गया।	
		• अलमारियां अस्त व्यस्त स्थिति में थी।		
		• प्रसव रजिस्टर पर सूचनाए विधिवत अंकित नहीं थी।		
		• प्रसव रजिस्टर की स्थिति दयनीय पाई गई तथा सम्बन्धित अपेक्षित जानकारी आधी अधूरी पाई गई।		
		• रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया।	• रेफरल रजिस्टर में समस्त आवश्यक सुचनाओं को अंकित करने हेतु स्टाफ नर्स को सुझाव दिया गया।	
		• रजिस्टर में अधिकतर ओवर वेट बच्चो की संख्या दर्ज थी, किन्तु इन ओवर वेट बच्चों का क्या किया गया इसका कोई स्पष्ट उत्तर उपस्थित स्टाफ नर्स के पास नहीं था।	• उक्त के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को अवगत करा दिया गया है।	
		• केस शीट विधिवत भरी नहीं पाई गई तथा उसको बिना भरे महिला लाभार्थी के हस्ताक्षर करवाए गए थे।	• रजिस्टर में समस्त आवश्यक सूचनाओं को अद्युनांत / अंकित करने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया गया।	
		• अन्तरा गर्भ निरोधक रजिस्टर आई.यू.सी.डी' रिकार्ड व्यवस्थित रूप से नहीं भरा गया था। उस पर सम्बन्धित व्यक्ति एवं आशा के हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए।	• दल द्वारा केस शीट ठीक प्रकार से भरने का सुझाव दिया गया तथा बिना पूर्ण भरे महिला लाभार्थी के हस्ताक्षर न कराने का सुझाव दिया गया।	
		प्रसव कक्ष – • प्रसव कक्ष का अवलोकन किया गया –		प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / स्टाफ नर्स
		• राज्य स्तरीय दल के सामने ही वार्ड आया प्रसव कक्ष के वाश बेसिन में मंजन कर रही थी।	• राज्य स्तरीय दल द्वारा वार्ड आया को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा दोबारा न किया	

			जाये तथा सम्बन्धित स्टाफ को भी इस बारे में ध्यान देने को कहा गया।	
		• प्रसव उपरांत गंदगी वहीं पर रखी हुई थी। • कैलिस पैड पिचके हुए दिखे। • उपयोगित किए गए सर्जिकल ग्लब्स खुले में ही पड़े थे।	• कैलिस पैड की उपयोगिता के सम्बन्ध में स्टाफ नर्स को बताया गया। स्टाफ नर्स द्वारा आश्वासन दिया गया कि वह भविष्य में कैलिस पैड को फुलाकर रखेगी।	
		• डिजिटल घड़ी ठीक प्रकार से कार्य नहीं कर रही थी।	• तुरन्त डिजिटल घड़ी सही कराने का सुझाव दिया गया जिससे उसका समुचित उपयोग हो सके।	
		• प्रसव कक्ष के बाहर गलियारे में ही झाड़ू रखी हुई पाई गई।	• दल द्वारा झाड़ू को गलियारे से हटवाकर बाहर रखवाया गया। साथ ही सम्बन्धित स्टाफ को बताया गया कि प्रसव कक्ष में झाड़ू लगाना अथवा रखना निषेघ है।	
		• प्रसव कक्ष के वाश बेसिन में लगी एल्बो टैप ठीक प्रकार से कार्य नहीं कर रही थी।	• एल्बो टैप ठीक कराने का सुझाव दिया गया।	
		• प्रसव कक्ष के पास बने शौचालय में व्यापक साफ सफाई नहीं पाई गई।	• प्रसव कक्ष के समीप के शौचालय तथा के0एम0सी0 वार्ड की सफाई दिन में तीन बार कराने हेतु बी0सी0पी0एम0 को सुझाव दिया गया।	
		• कक्ष में बना के0एम0सी0 वार्ड सही स्थिति में पाया गया तथा उसमें रखी रेडियो वार्मर मशीन कार्य कर रही थी।		
		<u>जे0एस0वाई वार्ड</u> • जे0एस0वाई वार्ड में 2 महिलाएं ही भर्ती थी। • कक्ष में पर्याप्त सफाई एवं मानकनुसार प्रकाश की व्यवस्था नहीं पाई गई। • कक्ष में बिछी बेड शीट पर दाग पाए गए। • महिलाओं से बात करने पर ज्ञात हुआ कि उनको जे0एस0एस0के0 डाईट के अन्तर्गत नाश्ता एवं भोजन दिया जा रहा है।	• कक्ष में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हेतु अतिरिक्त अधिक वाटेज़ के एल0ई0डी0 बल्व अथवा रॉड लगवाने हेतु सुझाव दिया गया। • सम्बन्धित स्टाफ को निर्देशित किया गया ि कवह बेडशीट की नियमित जाँच करें और साफ बेडशीट ही बिछाई जाये।	
		• वार्ड में भर्ती महिला के अलावा कई पुरूष व बच्चे भी उपस्थित थे तथा भीड़ सी लगी हुई पाई गई । • नवम्बर, 2019 तक कुल 1832 प्रसवों के सापेक्ष 1775 प्रसवों हेतु	• दल द्वारा महिला वार्ड में उपस्थित तीमारदारों को वहां पर न रहने का सुझाव दिया गया जिससे तीमारदारों एवं नवजातों को संक्रमण न हो।	

		जे0एस0वाई0 का भुगतान किया गया। • नवम्बर माह तक ब्लाक की कुल आशाओं 1329 के सापेक्ष 1293 आशाओं की जे0एस0वाई0 में प्रतिपूर्ति राशि प्रदान की गयी। • ब्लाक तिलहर में नवम्बर तक 183 के सापेक्ष 77 महिला नसबन्दी करायी गयी। • पी0पी0आई0यू0सी0डी0 हेतु चिकित्सा इकाई में हुए 1802 प्रसवों के सापेक्ष 1056 महिलाओं को पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगायी गयी। • प्रधानमंत्री मातृ–वंदन योजना के अन्तर्गत 18 दिसम्बर 2019 तक कुल 1967 के सापेक्ष 1927 लाभर्थियों के बारे में पोर्टल पर फीडिग की गयी।	• प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह आशाओं के सहयोग से शेष लाभार्थियों का जे0एस0वाई0 में भुगतान कराना सुनिश्चित करें। • प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह आशाओं से वाउचर प्राप्त कर शेष आशाओं की प्रतिपूर्ति का भुगतान एम0आई0एस0 से करने हेतु सम्बन्धित को निदेशित करने का कष्ट करें। • प्रभारी चिकित्साधिकारी को आशाओं, प्रेरक आदि के सहयोग से आगामी माह में महिला नसबन्दी में लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का सुझाव दिया गया। • स्टाफ नर्स/नर्स मेटर को सुझाव दिया गया कि वह महिलाओं को पी0पी0आई0यू0सी0 लगवाने हेतु प्रेरित करें।	
	हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, खण्डसार, ब्लॉक तिलहर	• केन्द्र में पर्याप्त आई0ई0सी0 की मिली तथा सेन्टर प्रभारी द्वारा स्वयं से तैयार किये गये सूचना पटल लगे मिले जिसमें विभिन्न बीमारियों यथा मधुमेह आदि से बचाव से सम्बन्धित जानकारी जनमानस को जागरूक करने हेतु प्रदर्शित की गई थी। • पर्याप्त साफ सफाई नहीं मिली। • बिजली का कनेक्शन तो है परन्तु आपूर्ति नहीं है। • पानी का कनेक्शन है एवं आपूर्ति नहीं है। • शौचालय नया बना है परन्तु अभी फंक्शनल नहीं है। शौचालय का पाईप टूटा हुआ पाया गया। • हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर द्वारा नियत स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से जनमानस को प्रदान की जा रही है। किन्तु एन0सी0डी0 हेतु निर्धारित औषधियाँ उपलब्ध नहीं थी। • फैमिली प्लानिंग से सम्बन्धित अस्थाई साधन– गर्भ निरोधक गोली, कंडोम आदि सेन्टर में उपलब्ध नहीं थे। • सेन्टर में प्रयुक्त होने वाली	• दल के साथ आए जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर से आर0के0एस फण्ड से सफाई कर्मचारी का प्रबन्ध करने हेतु सुझाव दिया गया जिससे चिकित्सा इकाई में साफ सफाई हो सके। • दल द्वारा आई0ई0सी0 हेतु किये गये प्रयास की सराहना की गई तथा सम्बन्धित जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर से जनपद से प्रिटेंड पम्पलेट पोस्टर आदि उपलब्ध कराने को कहा जिससे व्यापक प्रचार प्रसार जनसमुदाय के मध्य हो सके। • दल द्वारा सम्बन्धित अधिकारी को शौचालय सही करवाने का सुझाव दिया गया जिससे उसका समुचित उपयोग सेन्टर में आने वाले मरीजो द्वारा किया जा सके। • दल के साथ मौजुद सम्बन्धित अधिकारी को अच्छी क्वालिटी के सेल उपकरणों हेतु उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। एन0सी0डी0 की औषधियाँ उपलब्ध कराने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी/मुख्य	सी0एच0ओ0/बी0सी0पी0एम0/प्रभारी चिकित्साधिकारी

		बी0पी0 मशीन वेट मशीन के सेल ठीक प्रकार से कार्य नहीं कर रहे है। • सेन्टर हेतु निर्धारित दैनिक रिपोर्टिंग नियमित रूप से नहीं की जा रही है।	चिकित्साधिकारी / चीफ फार्मासिस्ट से अनुरोध किया गया। • राज्य स्तरीय दल द्वारा फैमिली प्लानिंग से सम्बन्धित अस्थाई साधन– गर्भ निरोधक गोली, कंडोम आदि सेन्टर में उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया जिससे महिलाएं आवश्यकतानुसार सेन्टर से प्राप्त कर सके। • सी0एच0ओ0 एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी को दैनिक रिपोर्टिंग का महत्व बताते हुए नियमित रूप से पोर्टल पर रिपोर्टिंग करने हेतु सुझाव दिया गया।	
	हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, खैरपुर, ब्लॉक तिलहर	• केन्द्र में पर्याप्त आई0ई0सी0 प्रदर्शन किया गया था तथा सेन्टर प्रभारी द्वारा स्वयं से तैयार किये गये सूचना पटल लगाए गए थे, जिसमें विभिन्न बीमारियों यथा मधुमेह आदि से बचाव एवं साफ सफाई से सम्बन्धित जानकारी जनमानस को जागरूक करने हेतु प्रदर्शित की गई थी। • साफ सफाई की व्यवस्था ठीक थी। • बिजली का कनेक्शन तो है परन्तु आपूर्ति हो पा रही है। • पानी का कनेक्शन है परन्तु पानी की आपूर्ति हो नहीं पा रही है। • शौचालय नया बना है परन्तु अभी फंक्शनल नहीं है। • हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर द्वारा नियत स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से जनमानस को प्रदान की जा रही है। किन्तु एन0सी0डी0 हेतु निर्धारित औषधियाँ उपलब्ध नहीं थी। • फैमिली प्लानिंग के अस्थाई साधन– गर्भ निरोधक गोली, कंडोम आदि सेन्टर में उपलब्ध नहीं थे। • सेन्टर हेतु निर्धारित दैनिक रिपोर्टिंग नियमित रूप से नहीं की जा रही है।	• दल के साथ आए जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर से आर0के0एस फण्ड से सफाई कर्मचारी का प्रबन्ध करने हेतु सुझाव दिया गया जिससे चिकित्सा इकाई में साफ सफाई हो सके। • दल द्वारा आई0ई0सी0 हेतु किये गये प्रयास की सराहना की गई तथा सम्बन्धित जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर से जनपद से प्रिटेंड पम्पलेट पोस्टर आदि उपलब्ध कराने को कहा जिससे व्यापक प्रचार प्रसार जनसमुदाय के मध्य हो सके। • दल द्वारा सम्बन्धित अधिकारी को शौचालय सही करवाने का सुझाव दिया गया जिससे उसका समुचित उपयोग सेन्टर में आने वाले मरीजो द्वारा किया जा सके। • एन0सी0डी0 हेतु आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं चीफ फार्मासिस्ट से अनुरोध किया गया। • राज्य स्तरीय दल द्वारा फैमिली प्लानिंग से सम्बन्धित अस्थाई साधन– गर्भ निरोधक गोली, कंडोम आदि सेन्टर में उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया, जिससे महिलाएं आवश्यकतानुसार सेन्टर से प्राप्त कर सके। • सी0एच0ओ0 एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी को दैनिक रिपोर्टिंग का महत्व बताते हुए नियमित रूप से पोर्टल पर	सी0एच0ओ0 / बी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी सी0एच0ओ0 / बी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी

			रिपोर्टिंग करने हेतु सुझाव दिया गया।	
	दिनांक 27.12.19 हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, नागरपाल, भावल खेड़ा	• केन्द्र की स्थिति अच्छी नहीं थी। पर्याप्त साफ सफाई तक नहीं मिली। • ऐसा प्रतीत हो रहा था कि सेन्टर नियमित रूप से नहीं खुल रहा है और सी0एच0ओ0 जिनका अभी दूसरे जनपद से स्थानान्तरण हुआ है, कार्य में रूचि नहीं ली जा रही है। • सम्बन्धित सी0एच0ओ0 में उपयुक्त जानकारी का अभाव पाया गया। • सम्बन्धित सी0एच0ओ0 द्वारा सेन्टर का पर्याप्त प्रचार प्रसार भी नहीं किया गया एवं न हीं प्रोटोकाल पोस्टर लगाए गए, उपको इसकी जानकारी भी नही थी। • बिजली का कनेक्शन तो है परन्तु आपूर्ति नहीं है। • सेन्टर में पानी का कनेक्शन है परन्तु पानी की आपूर्ति हो नहीं पा रही है। • सेन्टर में दरवाजे एवं खिड़कियों पर पर्दे तक नहीं लगे थे जबकि नए पर्दे अलमारी में रखे हुए थे। पूछने पर स्पष्ट उत्तर प्राप्त नही हुआ। • शौचालय नया बना है परन्तु अभी फंक्शनल नहीं है। • फैमिली प्लानिंग के अस्थाई साधन– गर्भ निरोधक गोली, कंडोम आदि सेन्टर में उपलब्ध थे, किन्तु सम्बन्धित सी0एच0ओ0 को स्वयं ही उनके वहां रखे जाने का उद्देश्य पता नहीं था। • सेन्टर में रखी वेट मशीन ठीक प्रकार से कार्यरत नहीं थी। • सेन्टर हेतु निर्धारित दैनिक रिपोर्टिंग नियमित रूप से नहीं की जा रही है। • सेन्टर के नजदीक ही उपकेन्द्र है किन्तु सम्बन्धित सी0एच0ओ0 का उपकेन्द्र की ए0एन0एम0 के साथ कोई समन्वय नहीं दिखा।	• दल के साथ आए जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर से आर0के0एस फण्ड से सफाई कर्मचारी का प्रबन्ध करने हेतु सुझाव दिया गया जिससे चिकित्सा इकाई में साफ सफाई हो सके। • दल द्वारा सेन्टर प्रभारी के आचार व्यवहार पर रोष व्यक्त किया गया तथा एक सप्ताह में सेन्टर की सेवाएं दुरस्त करने हेतु निर्देशित किया गया। • दल द्वारा आई0ई0सी0 हेतु अन्य सेन्टरों द्वारा किए गए कार्यों को शेयर करने का सुझाव दिया गया एवं अपने प्रयासों से ही हस्त निर्मित पोस्टर तैयार कर सेन्टर पर लगाने का सुझााव दिया गया जिससे सेन्टर में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में व्यापक जानकारी जनमानस को मिल सके और वह इसका लाभ उठा सकें। • दल द्वारा यथाशीघ्र सेन्टर पर पर्दे लगाने हेतु सेन्टर प्रभारी को निर्देशित किया गया। • कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर से जनपद से प्रिटेंड पम्पलेट पोस्टर आदि उपलब्ध कराने को कहा जिससे व्यापक प्रचार प्रसार जनसमुदाय के मध्य हो सके। • दल द्वारा सम्बन्धित अधिकारी को शौचालय सही करवाने का सुझाव दिया गया जिससे उसका समुचित उपयोग सेन्टर में आने वाले मरीजो द्वारा किया जा सके। • दल के साथ मौजुद सम्बन्धित अधिकारी को अच्छी क्वालिटी के सेल उपकरणों हेतु उपलब्ध कराने का सुझाव दिया जिससे जनमानस को उपलब्ध होने वाली सेवांए बाधित न हो। साथ ही आवश्यक दवाईयों के कुछ सैम्पल सेन्टर पर उपलब्ध कराने का भी सुझाव दिया गया जिसे ब्लाक के चिकित्साधिकारी के प्रेसक्रिपशन उपरांत मरीज को दिया जा सके। • राज्य स्तरीय दल द्वारा फैमिली प्लानिंग से सम्बन्धित अस्थाई साधन– गर्भ निरोधक गोली, कंडोम आदि हेतु अभिमुखीकृत कराने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया जिससे सेन्टर प्रभारी द्वारा	सी0एच0ओ0 / ए0एन0एम0 / बी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी

		• उपकेन्द्र पर क्रिसमस का अवकाश होने के कारण आज टीकाकरण सत्र का आयोजन किया जा रहा था। • सत्र का बैनर लगाया गया था। • उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 एवं 02 आशा मौजुद थी। • ड्यू लिस्ट उचित प्रकार से तैयार नहीं की गई थी। • उपकेन्द्र पर पर्याप्त पोस्टर आदि लगे हुए पाए गए। समस्त दवाए उपलब्ध थी किन्तु अस्त व्यस्त हालत में थी।	उसको जनमानस को उपलब्ध कराया जा सके। • प्रभारी चिकित्साधिकारी को दैनिक रिपोर्टिग का महत्व बताते हुए नियमित रूप से पोर्टल पर रिपोर्टिग करने हेतु सुझाव दिया गया। • सम्बन्धित सी0एच0ओ0 को उपकेन्द्र की ए0एन0एम0 से सामंजस्य स्थापित करने का सुझाव दिया गया जिससे सेन्टर की आवश्यकतनुरूप वहां से सहयोग मिल सके। • दल द्वारा किए जा रहे सत्र का निरीक्षण करते हुए किए जा रहे कार्य की सराहना की गई तथा अधिक से अधिक लाभार्थियों को सेवा लेने हेतु सेन्टर पर आने हेतु प्रेरित करने का सुझाव दिया गया। • ए0एन0एम0 व आशा से उपलब्ध ड्यू लिस्ट ठीक प्रकार से तैयार करने का सुझाव दिया गया तथा समबन्धित बी0सी0पी0एम0 को केन्द्र का नियमित निरीक्षण करने को कहा गया। • ए0एन0एम0 द्वारा समस्त दवाएं ठीक प्रकार से रखवाई गई।	
	दिनांक 27.12.19 हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, डिंगरपुर, ब्लॉक भावल खेड़ा	• परिसर नया बना है परन्तु मुख्य गेट से आवागमन बाधित हो रहा है एवं अलमारी आदि रखने में भी परेशानी आ रही है। • परिसर में उपलब्ध योगा चटाईयां क्यों लाई गई है तथा उनका क्या उपयोग है, इसकी जानकारी सम्बन्धित सी0एच0ओ0 को नहीं थी। • पर्याप्त साफ सफाई तक नहीं मिली। • सम्बन्धित सी0एच0ओ0 द्वारा सेन्टर का पर्याप्त प्रचार प्रसार भी नहीं किया गया एवं न हीं प्रोटोकाल पोस्टर लगाए गए, उनको इसकी जानकारी भी नही थी। • बिजली का कनेक्शन तो है परन्तु आपूर्ति नहीं हो पा रही है। • सेन्टर में पानी का कनेक्शन है परन्तु पानी की आपूर्ति हो नहीं पा रही है। • सेन्टर में दरवाजे एवं खिड़कियों पर पर्दे तक नहीं लगे थे जबकि नए पर्दे अलमारी में रखे हुए थे। पूछने पर स्पष्ट उत्तर प्राप्त नही हुआ।	• दल के साथ आए जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर से आर0के0एस फण्ड से सफाई कर्मचारी का प्रबन्ध करने हेतु सुझाव दिया गया जिससे चिकित्सा इकाई में साफ सफाई हो सके। साथ ही यथाशीघ्र सेन्टर के गेट को ठीक कराने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा सेन्टर प्रभारी के आचार व्यवहार पर रोष व्यक्त किया गया तथा एक सप्ताह में सेन्टर की सेवाएं दुरस्त करने हेतु निर्देशित किया गया। • दल द्वारा आई0ई0सी0 हेतु अन्य सेन्टरों द्वारा किए गए कार्यों को शेयर करने का सुझाव दिया गया एवं अपने प्रयासों से ही हस्त निर्मित पोस्टर तैयार कर सेन्टर पर लगाने का सुझााव दिया गया जिससे सेन्टर में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में व्यापक जानकारी जनमानस को मिल सके और वह इसका लाभ उठा सके। • दल द्वारा यथाशीघ्र सेन्टर पर पर्दे लगाने हेतु सेन्टर प्रभारी को निर्देशित किया गया।	सी0एच0ओ0 / बी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी

		• शौचालय नया बना है परन्तु अभी फंक्शनल नहीं है। • सेन्टर के प्रति जनसमुदाय में पर्याप्त जानकारी नहीं पाई गई जिसका कारण सेन्टर का नियमित रूप से न खुल पाना है। • फैमिली प्लानिंग के अस्थाई साधन– गर्भ निरोधक गोली, कंडोम आदि सेन्टर में उपलब्ध थे, किन्तु सेन्टर प्रभारी को स्वयं ही उनके वहां रखे जाने का उद्देश्य पता नहीं था। • सेन्टर हेतु निर्धारित दैनिक रिपोर्टिंग नियमित रूप से नहीं की जा रही है।	• कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर से जनपद से प्रिटेंड पम्पलेट पोस्टर आदि उपलब्ध कराने को कहा जिससे व्यापक प्रचार प्रसार जनसमुदाय के मध्य हो सके। • दल द्वारा सम्बन्धित सी0एच0ओ0 को शौचालय सही करवाने का सुझाव दिया गया जिससे उसका समुचित उपयोग सेन्टर में आने वाले मरीजो द्वारा किया जा सके। • राज्य स्तरीय दल द्वारा फैमिली प्लानिंग से सम्बन्धित अस्थाई साधन– गर्भ निरोधक गोली, कंडोम आदि हेतु अभिमुखीकृत कराने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया जिससे सम्बन्धित सी0एच0ओ0 द्वारा उसको जनमानस को उपलब्ध कराया जा सके। • प्रभारी चिकित्साधिकारी को दैनिक रिपोर्टिंग का महत्व बताते हुए नियमित रूप से पोर्टल पर रिपोर्टिंग करने हेतु सुझाव दिया गया।	सी0एच0ओ0 / बी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी
	दिनांक 27.12.19 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लाक निगोही	**<u>आपातकाल कक्ष –</u>** • कक्ष की स्थिति अस्त व्यस्त थी। • वर्तमान में कोई मरीज भर्ती नहीं था। • इस्तेमाल की गई सीरिंज, पटट्यिां, दवाईयों के रैपेर ग्लब्स इत्यादि खुले में पड़े थे। • बेड पर बिछी चादर गंदी थी तथा उस पर खून के धब्बे लगे थे। • फर्श पर धूल व गंदगी थी। • प्रकाश की समुचित व्यवस्था कक्ष में नहीं थी। **<u>ओ0पी0डी0</u>** परिसर मे दीवार लेखन किया गया गया था। कार्यक्रम से सम्बन्धित जानकारियां दीवार लेखन व पोस्टर के माध्यम से अंकित की गई थी, ओ0पी0डी व अन्य कक्ष में कार्यकम सम्बन्धित पोस्टर व्यापक रूप से लगे हुए पाए गए। ओ0पी0डी0 परिसर में कण्डोम बाक्स लगाया गया था, किन्तु खाली था। **<u>प्रसव स्टाफ कक्ष–</u>** • कक्ष में पर्याप्त प्रकाश भी नहीं था। • अलमारियां अस्त व्यस्त स्थिति में थी। • प्रसव रजिस्टर पर सूचनाए विधिवत	• दल द्वारा कक्ष की स्थिति पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा कक्ष के महत्व के दृष्टिगत, सही रखने का सुझाव दिया गयौ • दल द्वारा सम्बन्धित स्टाफ को बायो वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम के बारे में बताया तथा उसका अनुपालन करने का सुझाव दिया गया। • कक्ष की नियमित सफाई हेतु कहा गया तथा सफाई कर्मचारी को बुलाकर कक्ष की सफाई करवाई गई। • अन्य कार्यकम से सम्बनिधत जानकारियों हेतु दीवार लेखन कराने के लिए प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया। सम्बन्धित स्टाफ द्वारा कंडोम बाक्स भरवाया गया तथा सुझाव दिया गया कि जनमानस हेतु बाक्स नियमित भरा जाता रहे व उसकी स्टाक बुक में एन्ट्री भी हो। • दल द्वारा कक्ष में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / डी0सी0पी0एम0

		अंकित नहीं थी। बहुत सारे ओवर वेट बच्चो का रिकार्ड अंकित किया गया था किन्तु इन ओवर वेट बच्चों का क्या करना है और इसका क्या मतलब है इसका स्टाफ नर्स को कोई जानकारी नहीं थी। न ही किसी बच्चे को रिफर किया गया था। • प्रसव रजिस्टर की स्थिति दयनीय पाई गई तथा सम्बन्धित अपेक्षित जानकारी आधी अधूरी पाई गई। • रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया। • केस शीट विधिवत भरी नहीं पाई गई तथा उसको बिना भरे महिला लाभार्थी के हस्ताक्षर करवाए गए थे। • अन्तरा गर्भ निरोधक रजिस्टर आई.यू.सी.डी, पी.पी. आई.यू.सी.डी रिकार्ड आधे अधूरे पाए गए। उस पर सम्बन्धित व्यक्ति एवं आशा के हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए। • केस शीट को बिना भरे मरीजों के हस्ताक्षर करवाए गए थे, पूछने पर स्पष्ट उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। <u>प्रसव कक्ष</u> – • प्रसव कक्ष का अवलोकन किया गया – • कक्ष में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था थी तथा चिकित्सालय में सोलर सिस्टम लगाया गया था। • कैलिस पैड पिचके हुए दिखे। • कक्ष में पर्याप्त आई.ई.सी. नहीं थी। • सेवन ट्रे सिस्टम था व समस्त आवश्यक उपकरण उपलब्ध थे। • कक्ष के बाहर आटो क्लेव रखा था किन्तु उसके उपयोग किए जाने की स्पष्ट जानकारी स्टाफ नर्स को नहीं थी।	• उपस्थित स्टाफ नर्स को प्रसव रजिस्टर में वाछित समस्त सूचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु सुझाव दिया गया। दल द्वारा स्टाफ नर्स को ओवर वेट बच्चों के बारे में अभिमुखीकृत किया गया तथा इस प्रक्रिया के महत्व के बारे में बताया गया जिससे भविष्य में ओवर वेट बच्चों को आवश्यकतानुरूप रिफर किया जा सके। • रेफरल रजिस्टर में समस्त आवश्यक सुचनाओं को अंकित करने हेतु स्टाफ नर्स को सुझाव दिया गया। • उक्त के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को अवगत करा दिया गया है। • रजिस्टर में समस्त आवश्यक सूचनाओं को अद्युनांत/ अंकित करने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया गया। • दल द्वारा केस शीट ठीक प्रकार से भरने का सुझाव दिया गया तथा बिना पूर्ण भरे महिला लाभार्थी के हस्ताक्षर न कराने का सुझाव दिया गया। • टी0एस0यू0 की नर्स मेंटर से इस बारे में बात की गई किन्तु कोई संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। • दल द्वारा सोलर सिस्टम लगाए जाने की सराहना की गई। • दल द्वारा उपस्थित स्टाफ नर्स से कैलिस पैड के महत्व एवं इसके फूले होने का कारण पूछा गया जो कि वह बता नहीं पाई। दल द्वारा कैलिस पैड के महत्व के बारे में अभिमुखीकृत करते हुए सदैव फूला कर रखने का सुझाव दिया गया। • कक्ष में आई0ई0सी0 लगाने हेतु सुझाव दिया गया। • आटो क्लेव के बारे में नर्स को जानकारी दी गई।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0सी0पी0एम0 / डी0सी0पी0एम0

		• कलर कोडेड डस्टबिन रखी थी। • कक्ष में डिजिटल घड़ी नही थी सामान्य घड़ी लगी हुई थी। • कक्ष में दो टेबल के मध्य पर्दे का पार्टीशन बना था। • प्रसव कक्ष में बने शौचालय में व्यापक साफ सफाई नहीं पाई गई।	• कक्ष में डिजिटल घड़ी लगाने का सुझाव दिया गया। • प्रसव कक्ष के समीप के शौचालय तथा के0एम0सी0 वार्ड की सफाई दिन में तीन बार कराने हेतु बी0सी0पी0एम0 को सुझाव दिया गया। उक्त के साथ ही सफाई सम्बन्धी लाग बुक बनाने हेतु सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / डी0सी0पी0एम0
		• कक्ष में ही के0एम0सी0 बना था जो कि काफी छोटा था किन्तु उसमें रखी वेट मशीन कार्य नहीं कर रही थी। • रेडियो वार्मर मशीन कार्यं कर रही थी।	• दल के संज्ञान में आया कि वेट मशीन को सही कराने हेतु सम्बन्धित कम्पनी को सूचित कर दिया गया है। दल द्वारा सुझाव दिया गया कि इसका नियमित फालोअप करते रहे। • दल द्वारा स्टाफ नर्स कक्ष तथा प्रसव कक्ष की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए चिकित्सालय की नर्स मेंटर एवं समस्त स्टाफ नर्स को स्पष्टीकरण नोटिस देने का सुझाव दिया गया जिससे कार्य में सुधार आ सके। साथ ही सम्बन्धित अधिकारी नियमित अनुश्रवण करें, जिससे चिकित्सालय व्यवस्थाएं सुदृढ़ हो सके।	
		• <u>जे0एस0वाई वार्ड</u> • जे0एस0वाई वार्ड में 03 महिलाएं भर्ती थी। • कक्ष में पर्याप्त सफाई की व्यवस्था नहीं पाई गई। • कक्ष में बिछी बेड शीट साफ नहीं पाई गई। • महिलाओं से बात करने पर ज्ञात हुआ कि उनको जे0एस0एस0के0 डाईट के अन्तर्गत सुबह का नाश्ता एवं भोजन दिया जा रहा है तथा वह सेवा से संतुष्ट है। • जे0एस0एस0के0 डाईट का सूचना पटल वार्ड में नहीं लगा था। • वार्ड में भर्ती महिला के अलावा अन्य महिलाएं व बच्चे भी उपस्थित थे। • कक्ष के पास बना शौचालय साफ	• बेड शीट नियमित रूप से बदलने का सुझाव दिया गया। • जे0एस0एस0के0 डाईट चार्ट सूचना पटल वार्ड के बाहर लगाने का सुझाव दिया गया जिससे पारदर्शिता बनी रहे। • दल द्वारा उपस्थित महिलाओं व बच्चों को वार्ड से बाहर रखने हेतु सुझाव दिया गया जिससे उनको किसी प्रकार कर संक्रमण न हो। • दल द्वारा शौचालय में प्रति दिन 03 बार नियमित सफाई	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / डी0सी0पी0एम0

		नहीं था व वाश बेसिन पाईप टूटा था।	कराने का सुझाव दिया गया।	
		• नवम्बर, 2019 तक कुल 2146 प्रसवों के सापेक्ष 2082 प्रसवों हेतु जे0एस0वाई0 का भुगतान किया गया।	• प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह आशाओं के सहयोग से शेष लाभार्थियों का जे0एस0वाई0 में भुगतान कराना सुनिश्चित करें।	
		• नवम्बर माह तक ब्लाक की कुल आशाओं 1760 के सापेक्ष 1755 आशाओं की जे0एस0वाई0 में प्रतिपूर्ति राशि प्रदान की गयी।	• प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह आशाओं से वाउचर प्राप्त कर शेष आशाओं की प्रतिपूर्ति का भुगतान एम0आई0एस0 से करने हेतु सम्बन्धित को निदेशित करने का कष्ट करें।	
		• ब्लाक निगोही में नवम्बर तक 220 के सापेक्ष 129 महिला नसबन्दी करायी गयी।	• प्रभारी चिकित्साधिकारी को आशाओं, प्रेरक आदि के सहयोग से आगामी माह में महिला नसबन्दी में लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का सुझाव दिया गया।	
		• पी0पी0आई0यू0सी0डी0 हेतु चिकित्सा इकाई में हुए 2027 प्रसवों के सापेक्ष 364 महिलाओं को पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगायी गयी।	• स्टाफ नर्स/नर्स मेटर को सुझाव दिया गया कि वह महिलाओं को पी0पी0आई0यू0सी0 लगवाने हेतु प्रेरित करें।	
		• प्रधानमंत्री मातृ–वंदन योजना के अन्तर्गत 18 दिसम्बर 2019 तक कुल 2394 के सापेक्ष 2373 लाभर्थियों के बारे में पोर्टल पर फीडिग की गयी।		
		• **<u>102 एम्बूलेंस</u> –** • चिकित्सालय परिसर में 102 (UP32 EG 0913) एम्बूलेंस मौजुद थी। जिसका अवलोकन किया गया– • लॉग बुक चेक की गई • पेशन्ट डाटा रिकार्ड ठीक प्रकार से भरा नहीं गया था। • एम्बूलेंस चालक द्वारा नियमित रिकार्ड नहीं भरा जा रहा है,बल्कि 3–4 दिन का रिकार्ड इकठ्ठा भरा जा रहा है। • इस रिकार्ड की मानिटरिंग भी नहीं की जा रही है।	• दल द्वारा आपत्ति व्यक्त करते हुए इसको प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा जांच कराने का सुझााव दिया गया तथा उनसे पाई गई त्रुटियों पर हस्ताक्षरित करवाया गया। • एम्बूलेंस चालक द्वारा स्पष्ट जवाब न मिल पाने की स्थिति में जी0वी0के0 कम्पनी के जिला प्रभारी से फोन पर बात कर उक्त स्थिति से अवगत करा दिया गया है, जिस पर उन्होंने यथोचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।	

	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भावलखेड़ा	राज्य स्तरीय दल द्वारा ब्लाक में स्थापित दो हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर – नागरपाल एवं डिंगरपुर की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया तथा वहां पर कार्यरत सी0एच0ओ0 के परफामेंस पर फीडबैक दिया। **<u>चिकित्सालय परिसर</u>** **<u>पैथोलाजी कक्ष</u>** • पैथोलाजी कक्ष में कार्यरत लैब टेक्निशियन द्वारा पी0पी0ई0 का प्रयोग नही किया जा रहा है। जबकि उनको इसके महत्व की जानकारी है। • टैस्ट उपरांत स्लाईड का क्या करना है, इसका लैब टेक्निशियन का उचित जानकारी नहीं थी। • कक्ष में पर्याप्त सफाई नही थी। जमीन पर धूल पड़ी हुई थी। • प्रयोगित किए गए स्लाईड व अन्य उपकरण खुले में पड़े हुए थे। • ओ0पी0डी0 कक्ष में पर्याप्त साफ सफाई नहीं थी। • दीवारों पर जाले लगे हुए थे। • आई0ई0सी0 का प्रयोग किया गया था तथा गतिविधिवार पोस्टर दीवारों पर अंकित थे। • आशा शिकायत निवारण समिति का गठन किया गया था तथा उसका बोर्ड दीवार पर लगा मिला। • ओ0पी0डी0 कक्ष में कंण्डोम बाक्स लगा था किन्तु उसमें कण्डोम भरे हुए नहीं थे। **<u>प्रसव स्टाफ कक्ष</u>**– • कक्ष में रखी अलमारियां अस्त व्यस्त स्थिति में थी तथा उसमें रखा सामान बिखरा हुआ था। • प्रसव रिकार्ड हेतु लक्ष्य रजिस्टर प्रयोग किया जा रहा था पर सूचनाए विधिवत अंकित नहीं थी। रजिस्टर में ओवर वेट बच्चो का रिकार्ड अंकित किया गया था किन्तु इन ओवर वेट बच्चों का क्या करना है और इसका क्या मतलब है इसका न नर्स मेंटर को जानकारी थी न स्टाफ नर्स को ।	प्रभारी चिकित्साधिकारी ने उक्त स्थिति से अवगत होते हुए दोनों हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर –नागरपाल एवं डिंगरपुर की दशा सुधारने का आश्वासन दिया तथा वहां पर कार्यरत सी0एच0ओ0 के कार्यसुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। • दल द्वारा पैथोलाजी कक्ष में कार्यरत लैब टेक्निशियन को पी0पी0ई0 के प्रयोग का महत्व समझाते हुए इसके सदैव प्रयोग करने हेतु सुझाव दिया गया। • दल द्वारा टैस्ट उपरांत प्रयोगित स्लाईड का उचित प्रकार से प्रबंधन हेतु जानकारी व सुझाव दिया गया। • कक्ष की गंदगी पर आपत्ति जताते हुए दल द्वारा सफाई कर्मचारी को बुलाकर कक्ष साफ कराने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा सफाई कर्मचारी को बुलाकर दीवार पर लगे जाले हटवाए गए। • किए गए आई0ई0सी0 की सराहना की गई। • दल द्वारा गठित कमेटी की जानकारी ली गई तथा नियमित आशा की बैठक आयेाजित किए जाने का सुझाव दिया गया। • कण्डोम बाक्स में कण्डोम भरवाए गए तथा सुझाव दिया गया कि जनमानस हेतु बाक्स नियमित भरा जाता रहे व उसकी स्टाक बुक में एन्ट्री भी हो। • उपस्थित स्टाफ नर्स को समस्त अभिलेख एवं सामान उचित प्रकार से रखने का सुझाव दिया गया जिससे ससमय आवश्यक सामान मिल सके। • रजिस्टर में वाछित समस्त सूचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु सुझाव दिया गया। दल द्वारा स्टाफ नर्स को ओवर वेट बच्चों के बारे में अभिमुखीकृत किया गया तथा इस प्रक्रिया के महत्व के बारे में बताया गया जिससे भविष्य में ओवर वेट बच्चों को आवश्यकतानुरूप रिफर किया	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ लैब टेक्निशियन/स्टाफनर्स/नर्स मेण्टर/ बी0सी0पी0एम0

		किसी बच्चे को रिफर भी नहीं किया गया था। • रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया। • केस शीट बिना भरे महिला लाभार्थी के ब्लैंक हस्ताक्षर करवाए गए थे। इसका स्पष्ट जवाब नही प्राप्त हुआ। • अन्तरा गर्भ निरोधक रजिस्टर आई.यू.सी.डी, पी.पी. आई.यू.सी.डी रिकार्ड आधे अधूरे पाए गए। उस पर सम्बन्धित व्यक्ति एवं आशा के हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए। • अन्तरा गर्भ निरोधक रजिस्टर में गलत कॉलम पर सूचनाएं अंकित की गई थी, जिसका तर्क तो नर्स मेंटर द्वारा दिया जा रहा था किन्तु स्पष्ट उत्तर नही दिया गया। **<u>प्रसव कक्ष</u> –** • प्रसव कक्ष का अवलोकन किया गया – • कैलिस पैड पिचके हुए मिले जो कि पंचर थे। नर्स द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा कैलिस पैड, जीरो साईज मास्क एवं ग्लब्स की मांग की गई हैजो कि अभी तक नही मिले है। • कक्ष में पर्याप्त मातृ स्वास्थ्य सम्बन्धित पोस्टर लगे थे। • कक्ष में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था थी तथा पावर बैकअप सिस्टम था। • सेवन ट्रे सिस्टम था व समस्त आवश्यक उपकरण उपलब्ध थे। • कक्ष के बाहर आटो क्लेव रखा था किन्तु उसके उपयोग किए जाने की स्पष्ट जानकारी स्टाफ नर्स को नहीं थी। • कलर कोडेड डस्टबिन रखी थी। • कक्ष में डिजिटल घड़ी नही थी सामान्य घड़ी लगी हुई थी। • कक्ष में दो टेबल के मध्य पर्दे का पार्टीशन बना था। • कक्ष में ही के0एम0सी0 बना था जिसमें रखी रेडियो वार्मर मशीन कार्यरत थी।	जा सके। • रेफरल रजिस्टर में समस्त आवश्यक सुचनाओं को अंकित करने हेतु स्टाफ नर्स को सुझाव दिया गया। • दल द्वारा केस शीट ठीक प्रकार से भरने का सुझाव दिया गया तथा बिना पूर्ण भरे महिला लाभार्थी के हस्ताक्षर न कराने का सुझाव दिया गया। • रजिस्टर में समस्त आवश्यक सूचनाओं को अद्युनांत/ अंकित करने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया गया। • टी0एस0यू0 की नर्स मेंटर सुश्री हीमानी से इस बारे में बात की गई किन्तु कोई संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। • दल द्वारा नर्स मेंटर तथा कार्यरत अन्य समस्त स्टाफ नर्स से कक्ष की स्थिति के दृष्टिगत, स्पष्टीकरण प्राप्त करने का सुझाव दिया गया जिससे कार्य की गुणवत्ता में सुधार आ सके। • दल द्वारा मांग की गई सामग्री यथा शीघ्र उपलबध कराने का सुझाव दिया गया जिससे कार्य प्रभावित न हो। • नर्स को आटो क्लेव के उपयोग हेतु पूर्ण जानकारी प्राप्त करने का सुझाव दिया गया जिससे भविष्य में उसका यथोचित प्रयोग किया जा सके तथा इसके प्रयोग सम्बन्धी दिशा निर्देश चार्ट मशीन के पास ही लगाने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा सफाई की समस्या	

		• प्रसव कक्ष के पास बने शौचालय में साफ सफाई नहीं पाई गई। टायलेट गंदा था।	के चलतेएक अन्य सफाई कर्मचारी प्रतिदिन के हिसाब से रखने का सुझाव दिया गया जिससे कि परिसर में साफ सफाई नियमित रूप से हो सके।	
		• <u>जे0एस0वाई0 वार्ड</u> • वार्ड में कोई भर्ती नहीं था। • कक्ष में पर्याप्त साफ सफाई नहीं थी। • परिसर में ही जे0एस0एस0के0 डाईट सम्बन्धी सूचना पटल लगा हुआ था। • नवम्बर, 2019 तक कुल 1405 प्रसवों के सापेक्ष 1356 प्रसवों हेतु जे0एस0वाई0 का भुगतान किया गया।	• जे0एस0एस0के0 डाईट सम्बन्धी सूचना वार्ड के बाहर भी लगाने का सुझाव दिया गया जिससे पारदर्शिता बनी रहे एवं मरीजों को यह जानकारी हो सके कि उनको क्या खाना दिया जा रहा है। • प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह आशाओं के सहयोग से शेष लाभार्थियों का जे0एस0वाई0 में भुगतान कराना सुनिश्चित करें।	
		• नवम्बर माह तक ब्लाक की कुल आशाओं 2059 के सापेक्ष 2055 आशाओं की जे0एस0वाई0 में प्रतिपूर्ति राशि प्रदान की गयी।	• प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह आशाओं से वाउचर प्राप्त कर शेष आशाओं की प्रतिपूर्ति का भुगतान एम0आई0एस0 से करने हेतु सम्बन्धित को निदेशित करने का कष्ट करें।	
		• ब्लाक भावलखेड़ा में नवम्बर तक 336 के सापेक्ष 112 महिला नसबन्दी करायी गयी।	• प्रभारी चिकित्साधिकारी को आशाओं, प्रेरक आदि के सहयोग से आगामी माह में महिला नसबन्दी में लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का सुझाव दिया गया।	
		• पी0पी0आई0यू0सी0डी0 हेतु चिकित्सा इकाई में हुए 942 प्रसवों के सापेक्ष 195 महिलाओं को पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगायी गयी। • प्रधानमंत्री मातृ–वंदन योजना के अन्तर्गत 18 दिसम्बर 2019 तक कुल 3514 के सापेक्ष 3220 लाभर्थियों के बारे में पोर्टल पर फीडिग की गयी।	• स्टाफ नर्स/नर्स मेटर को सुझाव दिया गया कि वह महिलाओं को पी0पी0आई0यू0सी0 लगवाने हेतु प्रेरित करें।	
	नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जलीकोठी	केन्द्र के अवलोकन से ज्ञात हुआ– • उक्त केन्द्र मुख्य चिकित्साधिकरी कार्यालय परिसर में ही स्थापित किया गया था। • वार्ड अस्त व्यस्त हालत मे था। • वार्ड में पर्याप्त साफ सफाई एवं दीवारों पर ठीक प्रकार से पेंट भी नहीं था। • परिसर में कार्यक्रम सम्बन्धी प्रचार प्रसार कम दिखा तथा • परिसर में ही सीमेंट आदि की बोरियां रखी थी एवं पुरानी	राज्य स्तरीय दल द्वारा आपत्ति व्यक्त करते हुए नियमित रूप से सफाई कराने हेतु सुझाव दिया गया। साथ ही उपलब्ध बजट से चिकित्सालय परिसर में शीघ्र पुताई कराने को कहा जिससे व्यापक साफ सफाई बनी रहें। कक्ष में दवाईयां सही प्रकार से	ईंचार्ज चिकित्साधिकारी/ अर्बन हेल्थ कार्डिनेटर

		अनुपयोगित अलमारियां भी रखी हुई मिली। • फर्मासिस्ट कक्ष में दवाईयां सही थी किन्तु अवयवस्थित रूप से बिखरी हुई थी। • परिवार नियोजन सुविधाएं दी जा रही थी किन्तु उचित प्रकार से रिकार्ड नही रखा जा रहा था। • अंतरा गर्भ निरोधक का रिकार्ड सादे रजिस्टर में चढ़ाया जा रहा था, जबकि प्रिंटेड रजिस्टर उपलब्ध था। पूछने पर स्टाफ नर्स से उचित जवाब प्राप्त नहीं हुआ। • पूछने पर ज्ञात हुआ कि अंतरा की प्रथम डोज स्टाफ नर्स द्वारा ही लगाई जा रही हैं	रखवाई गई तथा उनकी लाईन लिस्टिंग अपडेट रखने हेतु सुझाव दिया गया। दल द्वारा सुझाव दिया गया जो भी ऐसे सामान अलमारी आदि, जिनका उपयोग नहीं है तथा केन्द्र में रखे हुए है उनको लिस्ट बनाकर डी0पी0एम0यू0 कार्यालय में देने का सुझाव दिया गया जिससे उसका निस्तारण किया जा सके। दल द्वारा स्टाफ नर्स को निर्देशित किया गया कि सदैव रिकार्ड निर्धारित रजिस्टर में ही चढ़ाए न कि सादे कागज/रजिस्टर पर। नर्स द्वारा समस्त रिकार्ड रजिस्टर में चढ़ाने का आश्वासन दिया गया। दल द्वारा उपस्थित चिकित्साधिकारी को दिशा निर्देशानुसार स्वयं प्रथम डोज लगाने उसके उपरांत ही अगली डोज नर्स द्वारा लगवाने का सुझाव दिया गया।	
	ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, हथौड़ा बुर्ज।	• आंगनबाड़ी न होने के करण, सत्र का आयोजन किसी घर पर किया जा रहा था, जो कि नियमित रूप से होता है। • दिवस हेतु चयनित कक्ष काफी छोटा एवं संकरा था। प्रकाश का भी उचित प्रबंध नहीं था। • सत्र स्थल पर टीकाकरण एवं बाल स्वा0 पोषण दिवस का बैनर लगा हुआ था जबकि ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का बैनर लगा होना चाहिए था। • जगह की कमी के कारण दवाईयां व्यवस्थित रूप से रखी हुई नहीं थी तथा विटामिन ए पिलाने वाला चम्मच खुले में रखा हुआ था। • उपस्थित आशा अपनी ड्रेस में नहीं थी न ही उनके पास आशा बैग था।	दल द्वारा किसी अन्य सामुदायिक स्थल पर सत्र आयोजन का सुझाव दिया गया जिससे आने वाले लोग यथोचित प्रकार से सत्र में सेवाएं प्राप्त कर सके। सम्बन्धित बी0सी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि उनको बैनर प्राप्त नहीं हुआ है। राज्य स्तरीय दल द्वारा डी0सी0पी0एम0 को इस बारे में अवगत कराते हुए सत्र सम्बन्धी बैनर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। दवाईयां व्यवस्थित ढंग से रखवाई गई तथा ए0एन0एम0 को दवाईयों उनकी एक्सपायरी तिथि के अनुसार उपयोग में लाने के विषय में बताया गया। सम्बन्धित बी0सी0पी0एम0 को भी इसको नियमित चेक करने हेतु सुझाव दिया गया। दल द्वारा आशा को उसकी ड्रेस के महत्व के बारे में बताया गया एवं अगली बार सत्र/चिकित्सा इकाई/क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान अपनी ड्रेस में रहने हेतु सुझाव दिया गया। उक्त के सम्बन्ध में बी0सी0पी0एम0 एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह समस्त आशाओं को सत्र/चिकित्सा इकाई/क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान अपनी ड्रेस में	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / डी0सी0पी0 एम0

			रहने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।	

मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सी0एच0ओ0 एवं स्टाफ नर्स की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसके महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नवत् हैं–

- जनपद में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के संचालन हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सी0एच0ओ0) की संविदा पर नियुक्ति की गई है। मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में सभागार में बैठक बुलाई गई जिसमें 03 स्टाफ नर्स एवं 17 सी0एच0ओ0 उपस्थित थे।
- बैठक में यह ज्ञात हुआ कि कतिपय सी0एच0ओ0 द्वारा पोर्टल पर डेली रिपोर्टिंग नहीं की जा रही है। उक्त के सम्बन्ध में राज्य स्तरीय दल द्वारा समस्त सी0एच0ओ0 को निर्देशित किया गया कि वह पोर्टल पर डेली रिपोर्टिंग प्राथमकता के साथ करें।
- बैठक में सी0एच0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि उन्हे पी0बी0आई0 नहीं मिल रहा है। उक्त के सम्बन्ध में अपर मुख्य चिकितसाधिकारी महोदय द्वारा आवश्वासन दिया गया कि यथाशीघ्र पी0बी0आई0 प्रदान किया जायेगा।
- कुछ सेन्टर अभी पूर्णतया विकासित नही हो पाएं है के सम्बन्ध में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा सेन्टरों को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु आश्वासन दिया गया।
- मरीजों के जांच हेतु आवश्यक उपकरण एवं एन0सी0डी0 हेतु आवश्यक औषधियाँ नहीं मिली हैं जिसके बिना कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है। एन0सी0डी0 हेतु आवश्यक औषधियों की व्यवस्था कराने हेतु चीफ फर्मासिस्ट द्वारा आश्वासन दिया गया।

भ्रमण उपरांत मुख्य चिकित्साधिकारी जनपद शाहजहॉपुर को राज्य स्तरीय दल द्वारा अपने 03 दिवसीय सपोर्टिव सुपरविजन के दौरान, भ्रमण की गई समस्त चिकित्सा इकाईयों, हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र एवं वी0एच0एन0डी0 सत्र के उपरोक्त अवलोकन बिन्दुओं से अवगत कराया गया। उक्त के साथ ही परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत मिशन परिवार विकास जनपद के दृष्टिगत, अभी तक उपकेन्द्र स्तर तक कण्डोम बाक्स की स्थापना न होने तथा सास बहू सम्मेलन के आयोजन के सम्बन्ध में अद्यतन स्थिति से भी अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा आश्वासन दिया गया कि अवगत कराये गये भ्रमण के सापेक्ष अवलोकन बिन्दुओं पर यथाशीघ्र सुधारात्मक कार्यवाही कर राज्य स्तर को अवगत करा दिया जायेगा।

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण की झलक

प्रसव कक्ष,, सी0एच0सी0, तिलहर

नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र, जलीकोठी

सी0एच0सी0, भावल खेड़ा

हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, तिलहर

ग्राम स्वास्थ्य एवं

पोषण दिवस, हथौड़ा बुर्ज